संरक्षक
परम श्रद्धेय जेराल्ड अल्मेड़ा
(चेयरमेन, शासी निकाय)
संत अलॉयसियस महाविद्यालय

डॉ. कपिल देव मिश्रा
(कुलपति, रा.दु.वि.वि. जबलपुर (म.प्र.)

अध्यक्ष
रेव.डॉ. जी. वलन अरासू
(प्राचार्य)
संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय

सलाहकार मंडल

1. डॉ. धीरेन्द्र पाठक (विभागाध्यक्ष रा.दु.वि.वि.)
2. डॉ. अरूण मिश्रा
3. दीपक पाण्डे (निदेशक केन्द्रीय हिन्दी संस्थान दिल्ली)
4. डॉ. अंजली डिसूजा (उप प्राचार्य)
5. डॉ. कल्लौल दास (उप प्राचार्य)
6. डॉ. रामेन्द्र प्रसाद ओझा (विभागाध्यक्ष हिन्दी विभाग)
7. डॉ. स्मृति शुक्ला (मानकुवर बाई महिला महा.विद्या.)
8. डॉ. अरूण शुक्ल (महाकौशल महाविद्यालय)
9. डॉ. तनुजा चौधरी (सांइस कॉलेज)
10. डॉ. नीना उपाध्याय (अध्यक्ष हिन्दी मंडल,RDVV)
11. राजेश पाठक प्रवीण (साहित्यकार पाथेय संस्था)

सचिव

डॉ. कैरोलिन सैनी (हिन्दी विभाग), 8319964503

सचिव

डॉ. रीना थॉमस (हिन्दी विभाग), 9926621551

कार्यकारिणी समिति

- डॉ. विश्वास पटेल
- श्री एनोष फिलिप
- श्री नितिन स्वामी
- श्री जितेन्द्र जैन
- श्री प्रकाश लांगेकर
- डॉ. स्मारिका लॉरिन्स
- डॉ. अंकित दुबे
- डॉ. जरीना बेगम
- श्री एन्थोनिमा रॉबिन
- डॉ. श्री हरीश दुबे
- डॉ. रोशन सौंधिया
- श्री नितिन स्वामी
- डॉ. तापसी नागराज
- डॉ. सरिता गोयल
- डॉ. एकता मुक्कड़
- श्री वीरेन्द्र कुमार चटुलेकर
- श्री जतिन आनंद
- श्री मनीष जॉन बारा
- श्री भावना तेकाम
- सुश्री नेहा नामदेव

उद्घाटन समारोह

दिनाँक 17 मार्च 2023,
प्रातः 9.30

समापन समारोह

दिनाँक 18 मार्च 2023 दोपहर 3.30

संयोजक
डॉ. अभिलाषा शुक्ल
(हिन्दी विभाग)
संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)
मोबा. 9179196111,7566022111
E-mail : nationalseminarsac2023@gmail.com

रजिस्ट्रेशन फार्म

1. प्रतिभागी प्रो / डॉ. / श्री.....
   .....
2. पदनाम .....
3. संस्था का नाम .....
   .....
4. पत्राचार का पता.....
5. मोबाईल.....
6. जबलपुर पहुँचने की तिथि .....
   समय..... माध्यम .....
7. प्रस्तुत शोध का शीर्षक .....
   .....
   .....
   .....
   .....
8. पंजीयन शुल्क .....
9. नेंट बैकिंग (ऑनलाईन) के द्वारा पंजीयन शुल्क स्वीकार किया जायेगा।

बैंक का विवरण

Bank Name	: Canara Bank, Jabalpur
Bank Address	: Narmada Road, Katanga Crossing, Gorakhpur, Jabalpur
Account No.	: 5201214000008
Account Type	: Current Account
IFSC Code	: CNRB0005201

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आज़ादी का अमृत महोत्सव

(17 मार्च - 18 मार्च 2023)

काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं में राष्ट्रवाद एवं सामाजिक सरोकार

प्रायोजक

INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH
भारतीय समाज विज्ञान-अनुसंधान-परिषद

आयोजक

हिन्दी विभाग
संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय, जबलपुर (म.प्र.)

राष्ट्रीय प्रत्यायन एवं मूल्यांकन परिषद (NAAC) से
'A+'श्रेणी प्राप्त (3.68 / 4.00)
यू.जी.सी. द्वारा सी.पी.ई. दर्जा प्रदत्त
डी.एस.टी. – फिस्ट सहयोग प्राप्त

जबलपुर और इसके आस–पास का क्षेत्र पुरातत्त्व की दृष्टि से म.प्र. के समृद्ध क्षेत्रों में से एक है। यह मध्य भारत का प्रमुख नगर है। जबालि ऋषि की पुनीत कर्मभूमि होने के कारण इसका नाम जबलपुर पड़ा। यहाँ की संस्कृति और परम्परा से प्रेरित होकर आचार्य विनोबा भावे ने इसे संस्कारधानी कहकर संबोधित किया। संगमरमरी वादियों के लिए विश्व प्रसिद्ध और प्राकृतिक मनोहारी छटा से आच्छादित भेड़ाघाट जिले की मुख्य धरोहर है।

हमारा महाविद्यालय

सन् 1951 में स्थापित संत अलॉयसियस (स्वशासी) महाविद्यालय कैथोलिक डायसिस जबलपुर द्वारा संचालित प्रमुख शैक्षणिक संस्थान है। राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद से 'A+' श्रेणी प्राप्त इस महाविद्यालय को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा सी.पी.ई. के रूप में मान्यता दी गई है।

सन् 2007–08 से स्वायत्तता प्राप्त इस महाविद्यालय का सतत् प्रयास रहा है कि अकादमिक उत्कृष्टता के साथ ही चरित्र निर्माण में भी अग्रणी रहे। यहाँ हिन्दी विभाग की स्थापना सन् 1951 में हुई तथा हिन्दी साहित्य के पाठ्यक्रम का प्रारंभ 1961 में हुआ। विभाग का सूत्र वाक्य है'' हिन्दी का सम्यक ज्ञान''।

संगोष्ठी एक नजर में

गीत ऋषि द्वय प्रदीप जी और गोपालदास नीरज जी दोनों ही काव्य विधा के उस तारामंडल के सदस्य थे, जिन्होंने सीधी और आमजन की सरल भाषा में मानव मन और मानव जीवन के हर उस पहलू को छुआ जो हमारी आध्यात्मिक, भौतिक और सामाजिक जिजीविषा को उद्वेलित करते हैं। इस शोध संगोष्ठी में जो चिंतन–मनन होगा उससे उद्भूत वैचारिक उद्वेलन, मोबाइल और गूगल युग की चपेट में आ चुके युवा वर्ग को नई दिशा स्वाभाविक रूप से प्रदान करेगा। साथ ही स्तरीय साहित्य एवं काव्य विधा को पुनः नए आयाम पर पहुंचाएगा।

ए मेरे वतन के लोगों'जैसे देश भक्तिपूर्ण गीत (कविवर प्रदीप) और 'कारवां गुजर गया, गुबार देखते रहे'जैसे जीवन दर्शन से ओत–प्रोत गीत (कविवर नीरज), जिन कवियों की अजर–अमर कलम से उद्भूत हुए उन पर हुई शोध संगोष्ठी का सार निश्चित रूप से नीति–निर्धारण में काम आएगा। इस संगोष्ठी की वैचारिक उड़ान, न केवल विद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों के लिए साहित्यिक पठन सामग्री तैयार करने में अपनी भूमिका निभाएगी वरन् समग्र युवा चिंतन को भी राष्ट्रवाद की ओर प्रेरित करने की दृष्टि से नीति नियामक सिद्ध होगी।

चिंतन एवं विमर्श के उपविषय

- कवि ऋषि प्रदीप के काव्य में जीवन दर्शन
- प्रदीप के काव्य में प्रखर राष्ट्रीयता के स्वर
- प्रदीप की रचनाओं में सामाजिक सरोकारों की गहनता
- प्रदीप के गीतों में औदात्य
- प्रदीप की रचनाओं में धर्म एवं अध्यात्म
- प्रदीप के गीतों की भाषा
- भारतीय संस्कृति के गायक कवि ऋषि प्रदीप
- नीरज की रचनाओं में सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार
- हिन्दी गीत साहित्य में कवि प्रदीप का अवदान
  - (1) गोपाल दास नीरज की रचनाओं में मूल्य बोध।
  - (2) नीरज का सौन्दर्य बोध।
  - (3) नीरज का सौन्दर्य बोध।
  - (4) प्रेम और सहिष्णुता के साधक कवि नीरज।
  - (5) नीरज और अध्यात्म।
  - (6) कवि नीरज का गीतशिल्प।
  - (7) कवि नीरज का यथार्थ बोध ।
  - (8) नीरज की राष्ट्रीय चेतना।
- प्रेम और विरह के गज़ल गायक नीरजज।
- कवि प्रदीप के काव्य में विश्व बंधुत्व की भावना ।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं में राष्ट्रवाद ।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं में सामाजिक सरोकार ।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं में भक्ति और दर्शन ।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं में समसामयिक कुरीतियों पर प्रहार ।
- भारतीय चित्रपट पर काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की उपस्थिति का अन्य गीतकारों पर प्रभाव।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं में सामाजिक सहिष्णुता।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की साहित्यों में समालोचना।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की रचनाओं का तुलनात्मक विश्लेषण ।
- काव्य ऋषि द्वय प्रदीप और नीरज की भाषा का हिन्दी साहित्य पर प्रभाव।

स्वरूप तथा अन्य जानकारी

फॉन्ट : यूनिकोड साईज – 12

ईमेल : nationalseminarsac2023@gmail.com

शोध पत्र भेजने की अंतिम तिथि : 5 मार्च 2023

नोट – संगोष्ठी के समय शोध–पत्र की एक प्रति (हार्ड कॉपी) आयोजक मंडल के पास अनिवार्यत : जमा करना है।

संगोष्ठी से पूर्व शोध–आलेखों का पुस्तकाकार रूप में ISBN नम्बर सहित प्रकाशन होना है। अतः शोधपत्र 5 मार्च तक अवश्य भेजें।

पंजीयन शुल्क

प्राध्यापकों हेतु : **800/–**

शोधार्थियों हेतु : **700/–**

नोट : बाह्य प्रतिभागियों हेतु – 2000/–

तत्काल पंजीयन हेतु निर्धारित शुल्क

प्राध्यापकों हेतु : **1000/–**

शोधार्थियों हेतु : **800/–**

नोट : बाहय प्रतिभागियों हेतु – 2000/– (आवास व्यवस्था सहित)।

आलेख प्रूफरीडिंग के साथ ही भेंजे, चयनित आलेख को ही प्राथमिकता दी जायेगी

कृपया रजिस्टेशन शुल्क का